- अंत:राष्ट्रीय वि. (तत्.) 1. राष्ट्र या देश की भीतरी स्थितियों से संबद्ध 2. अंतरराष्ट्रीय।
- अंत:शक्ति स्त्री. (तत्.) आंतरिक बल, मानसिक शक्ति।
- अंत:शरीर पुं. (तत्.) सूक्ष्म शरीर, लिंग शरीर।
- अंत:शन्य पुं. (तत्.) 1. शरीर के अंदर धंसा हुआ शल्य 2. मन में चुभने, खटकने वाली बात, घटना आदि।
- अंत:शास वि. (तत्.) 1. घर पर रहने वाला 2. घर का 3. घर में भीतर के भाग का 4. घर या कमरे के भीतर होने वाला।
- अंत:शिरा वि. (तत्.) 1. शिरा में, नस में 2. शिरा में किया जाने वाला।
- अंतःशुद्धि स्त्री. (तत्.) अंतकरण की शुद्धि, मानसिक शुद्धि, चित्त शुद्धि, निर्मलहृदयता।
- अंत:शून्य वि. (तत्.) 1. भीतर से शून्य, निस्सार, सारहीन 2. निरुत्साहित।
- अंतःशैन-समूही वि. (तत्.) भूवि. किसी शैल के भीतर स्थित।
- अंत:श्वसन पुं. (तत्.) भीतर साँस खींचना। inhalation
- अंत:संचार पुं. (तत्.) दो स्थानों, संस्थाओं, देशों आदि में परस्पर संपर्क, वार्तालाप करने अथवा समाचार, संदेश देने की क्रिया, भाव।
- अंत:संबंध पुं. (तत्.) दो या दो से अधिक व्यक्तियों या पक्षों में आंतरिक या अन्यान्य संबंध।
- अंत:सत्व वि (तत्.) जिसके अंदर शक्ति हो, आंतरिक ताकत, अंत: स्फूर्ति।
- अंत:सर पुं. (तत्.) हृदयरूपी सरोवर।
- अंत:सिना स्त्री. (तत्.) ऐसी नदी जो (पृथ्वी के) अंदर-ही-अंदर बहती हो जैसे- सरस्वती नदी (जिसका प्रयाग में गंगा-यमुना से संगम होना माना गया हैं।

- अंत:सांस्कृतिक वि. (तत्.) 1. दो या अधिक संस्कृतियों के पारस्परिक संबंधों का 2. दो या अधिक संस्कृतियों का (तुलनात्मक अध्ययन)।
- अंत:साक्षी स्त्री. (तत्.) अंत:करण की साक्षी, दिल की गवाही।
- अंत:साक्ष्य पुं. (तत्.) 1. आंतरिक प्रमाण, किसी ग्रंथ में निहित प्रमाण 2. किसी मामले में उसी से प्राप्त साक्ष्य।
- अंत:सागरी वि. (तत्.) समुद्र के अंदर चलने वाला जैसे- पोत, नौका आदि।
- अंत:सागरीय वि. (तत्.) समुद्र के अंदर के भागों से संबंधित, समुद्र के अंदर का, जैसे अंत:सागरीय भूविज्ञान।
- अंत:सार *पुं*. (तत्.) 1. भीतरी तत्व 2. अंतरात्मा, अंतकरण *वि.* भारी, दृढ, बलवान।
- अंत:सुख वि. (तत्.) आंतरिक सुख, मानसिक सुख।
- अंत:सौंदर्य पुं. (तत्.) 1. भीतर का सौंदर्य 2. मन की शुद्धता और पवित्रता 3. बीच में जोड़ना, शामिल करना।
- अंत:स्थ वि. (तत्.) 1. भीतर या बीच में स्थित, बीच का पुं. वे वर्ण जिसकी गिनती स्वरों और व्यंजनों के बीच में होती हो, नागरी वर्णमाला में य, र, ल और व वर्ण तु. अंतस्य।
- अंत:स्थापित वि. (तत्.) जिसका अंत:स्थापन किया गया हो या हुआ हो।
- अंत:स्थित वि. (तत्.) 1. अंत:करण में स्थित, मन में होने वाला 2. अंदर का, आंतरिक, अंतस्थ:, भीतरी 3. बीच में स्थित।
- अंत:स्फिटिक पुं. (तत्.) हृदय रूपी स्फिटिक, स्वच्छ या निर्मल मन।
- अंत:स्यंद पुं. (तत्.) भूविज्ञान अन्तः स्यंदन दवारा निक्षेपित पदार्थ।